अंकिता के लिए न्याय: उत्तराखंड के इस मामले ने व्यवस्था को क्या सिखाया

उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार ने पंचायती राज की संवैधानिक अवधारणा को नष्ट कर दिया है: यशपाल आर्य

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

15th ANNIVERSARY

वर्ष 15 | अंक 05 | मूल्य 15 रुपये | 22-28 जून, 2025

उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बजा बिगुल

वर्ष 15 | अंक 05

दिव्य हिमगिरि

22-28 जून, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

युद्ध में अमानवीयता की हदें पार करते देश

पश्चिम एशिया में दो धुर-विरोधी देश आमने-सामने हैं। ईरान पर इजराइल के भीषण हमले और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से एक और युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं। दरअसल, इजराइल को लगता है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम उसके अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा है। जबकि ईरान का दावा है कि यह नागरिक उद्देश्य के लिए है। मगर, बताया जा रहा है कि ईरान ने इस स्तर तक यूरेनियम संवर्धित कर लिया है कि वह अब परमाणु बम बनाने की स्थिति में है। इजराइल का दावा है कि इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए हमला किया गया। अब सवाल यह है कि क्या ईरान सचमुच परमाणु बम बनाने में सक्षम हो गया है? बहरहाल, तमाम आशंकाओं के बीच इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को जिस तरह निशाना बनाया, जाहिर है ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई होनी थी और ऐसा हुआ भी। इससे अब दुनिया में एक और बड़े युद्ध की संभावना बढ़ गई है। इजराइल के हमले में ईरान के तीन शीर्ष सैन्य अधिकारियों सहित कई वैज्ञानिकों की मौत हो गई। यह उसके लिए बड़ा झटका है। दोनों देशों के नेताओं के आक्रामक बयानों से पूरी दुनिया में चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। ईरान ने कहा है कि इजराइल को कड़ी सजा दी जाएगी। उधर, अमेरिका की चिंता स्वाभाविक है। ईरान से परमाणु समझौते से अलग होने के बाद उसे उम्मीद थी कि वह दबाव में आएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। ईरान उल्टे अपना परमाणु कार्यक्रम बढ़ाने में जुट गया। ऐसे में अमेरिका के सामने यह चुनौती तो रहेगी कि वह मध्य पूर्व क्षेत्र में तैनात अपने सैनिकों को सुरक्षित कैसे रखे। उधर, इजराइल का इरादा ईरान के परमाणु कार्यक्रम स्थलों को पूरी तरह ध्वस्त कर देने का है। उन्हीं ठिकानों पर पिछले दिनों उसने हमले भी किए। युद्ध के उन्माद में संवेदना खत्म हो रही है। इजराइल व ईरान एक-दूसरे के ठिकानों पर हमला करने में अमानवीयता की सारी हदें लांघ रहे हैं। ईरान ने समूची नैतिकता को ताक पर रखते हुए इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब इजराइल ने युद्ध के सभी नियमों को ताक पर रख कर दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला कर कई लोगों को जख्मी कर दिया था। युद्ध की आग में गाजा को लगातार झुलसाने वाले इस देश को गुरुवार तड़के ठीक उन्हीं परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कोई दो राय नहीं कि युद्ध हमेशा विनाश की ओर ले जाता है। दो देशों के बीच प्रतिशोध की आग बेकसूर नागरिकों को ही झुलसाती है। दुनिया ने यह दृश्य कई बार देखा है। सैन्य हमले के दौरान इजराइल ने कभी नहीं देखा कि वह शरणार्थी शिविरों पर बम गिरा रहा है या अस्पतालों पर। नागरिक ठिकानों पर कितनी मौतें होंगी और बच्चों-महिलाओं तथा बुजुर्गों पर क्या गुजरेगी। उसे कभी मानवीय संवेदना की परवाह नहीं रही। दूसरी ओर इजराइल के भीषण हमले के जवाब में ईरान की सैन्य कार्रवाई से साबित हो गया कि वह भी उतना ही असंवेदनशील है। दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बना कर उसने स्पष्ट कर दिया कि वह भी युद्ध नियमों को नहीं मानता। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बता कर इजराइल ने जिस तरह से उसके साथ युद्ध छेड़ा है, इसके नतीजे बेहद गंभीर हो सकते हैं। दुनिया के बड़े हिस्से में इसका असर दिख सकता है। ईरान की इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि अगर अमेरिका युद्ध में कूदा तो भीषण तबाही होगी। स्वाभाविक है कि इस युद्ध के जख्म गहरे होंगे। इसकी कीमत वे नागरिक ही चुकाएंगे, जिनका युद्ध से कोई संबंध नहीं। न जाने कितने बच्चे अनाथ होंगे।

कुँवर राज अस्थाना

अंकिता के लिए न्याय:

उत्तराखंड के इस मामले ने व्यवस्था को क्या सिखाया

अंकिता भंडारी मामले ने व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर किया, लेकिन यह भी दिखाया कि कैसे सार्वजनिक दबाव, उचित प्रक्रिया और दृढ़ पुलिसिंग मिलकर न्याय दिला सकते हैं, तब भी जब बाधाएं खड़ी हों

अभिनव कुमार
आईपीएस
एडीजी, कारागार

अक्सर हम एक सनसनीखेज आपराधिक मामले का सामना करते हैं, जो न केवल मीडिया की गहन जांच को आकर्षित करता है, बल्कि हमारे पूरे नागरिक समाज को झकझोर कर रख देता है और लोगों में आक्रोश और विरोध प्रदर्शन को जन्म देता है। अक्सर, यह बहुत जरूरी संरचनात्मक सुधारों और प्रशासनिक कार्रवाई को भी बढ़ावा देता है। सितंबर 2022 में हुई अंकिता भंडारी हत्याकांड, जिसमें 29 मई को एक ट्रायल कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी पाया, एक ऐसा ही दुखद उदाहरण है।

एक ऐसे अधिकारी के रूप में लिखते हुए, जिसने हमारे देश में आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को देखा है, जिसमें कम बार सफलता मिली है और अधिक लगातार कमियाँ हैं, लगभग तीन दशकों तक, इस मामले में आजीवन कारावास का फैसला एक व्यक्तिगत जीत का प्रतीक है। फिर भी, यह त्रासदी, जिसने 22 सितंबर को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल की शांत पहाड़ियों को हिलाकर रख दिया, सार्वजनिक विश्वास और उचित प्रक्रिया और कानून के शासन की माँगों के बीच नाजुक संतुलन बनाए रखने में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों की एक कठोर याद दिलाती है। इस मामले में पुलिस की कहानी पेश करना ज़रूरी है, क्योंकि इस मामले के हर मोड़ पर सार्वजनिक चर्चा में शोरगुल और साजिश के सिद्धांत हावी रहे हैं।

सपनों और महत्वाकांक्षाओं वाली एक युवा महिला अंकिता उन सभी महिला पीड़ितों का प्रतीक बन गई, जिनकी ज़िंदगी हिंसक अपराधों के कारण अक्सर खत्म हो जाती है। घटना के शुरुआती सदमे को उसकी मौत के इर्द-गिर्द की अस्पष्ट परिस्थितियों ने और बढ़ा दिया। शुरुआती रिपोर्टों में संभावित साजिश का संकेत दिया गया, जबकि सोशल मीडिया के हर कोने में अफ़वाहें और अर्धसत्य घूमने लगे। कानून प्रवर्तन में इस तरह की अस्थिर जनमत हमारे लिए काफी परिचित है, और इसके लिए राज्य मशीनरी के सभी स्तरों को जनता की चिंताओं को दूर करने के लिए दृढ़ता और सहानुभूति के विवेकपूर्ण मिश्रण के साथ प्रतिक्रिया करने की आवश्यकता है।

जांच के दृष्टिकोण से, यह मामला शुरू से ही असाधारण रूप से जटिल था। राजस्व पुलिस और नियमित पुलिस के बीच अधिकार क्षेत्र के मुद्दों के कारण, पुलिस द्वारा जांच को अपने हाथ में लेने में कुछ दिनों की देरी हुई। हालाँकि, मुख्यमंत्री ने खुद जांच की प्रगति में गहरी दिलचस्पी दिखाई, सच्चाई को उजागर करने की हमारी प्रतिबद्धता ने पौड़ी जांच टीम के प्रत्येक सदस्य और देहरादून में पुलिस नेतृत्व को सच्चाई की खोज में कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए प्रेरित किया। भले ही मुख्य संदिग्ध सत्तारूढ़ पार्टी के एक नेता का बेटा था, लेकिन खुद सीएम ने सुनिश्चित किया कि पुलिस को इस जांच में सभी सुरागों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हाथ दिया जाए। तीन प्रमुख संदिग्धों को जल्दी से गिरफ्तार कर लिया गया, और एक राज्य स्तरीय एसआईटी का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व असाधारण ईमानदारी और क्षमता वाली डीआईजी रैंक की महिला अधिकारी ने किया।

यही वह मोड़ था जब पुलिस नेतृत्व की असली परीक्षा सामने आई: गहन जांच के लिए आवश्यक सटीकता के साथ त्वरित कार्रवाई का संतुलन कैसे बनाया जाए? मेरे अनुभव में, इन सभी जटिल सवालों का जवाब कानून के शासन के सिद्धांतों का अटूट पालन और उचित प्रक्रिया का पालन करने की अटूट प्रतिबद्धता में निहित है।

इसके बाद जो मुकदमा चला, वह हर मायने में त्वरित न्याय और उचित प्रक्रिया की मांग के बीच संघर्ष था। जैसे-जैसे मुकदमा आगे बढ़ा, लोगों का आक्रोश बढ़ता गया। हर तरु से प्रदर्शन और जवाबदेही की मांग गूंजने लगी। गुस्साए नागरिकों ने विभिन्न मंचों, राजनीतिक रैलियों, मीडिया साक्षात्कारों और सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा व्यक्त की। कानून के अधिकारियों के रूप में, हमने जनता की इस अभिव्यक्ति को बाधा के रूप में नहीं बल्कि अनिवार्यता के रूप में माना, जो हमें याद दिलाता है कि हर जांच अंततः समुदाय की रक्षा और विश्वास और विश्वसनीयता के साथ सेवा करने के बारे में है।

मुकदमे की पूरी प्रक्रिया के दौरान, अभियोजन पक्ष ने सावधानीपूर्वक साक्ष्य प्रस्तुत करके अपना दृढ़ संकल्प प्रदर्शित किया। गवाहों की गवाही, फोरेंसिक रिपोर्ट और परिस्थितिजन्य विवरणों को एक साथ लाकर एक ऐसी कहानी गढ़ी गई, जिसमें

संदेह की कोई गुंजाइश नहीं थी। मुझे कार्यालय में कई देर रात तक काम करना याद है, केस फाइलों को देखना और अपने सहकर्मियों के साथ चर्चा करना, जिससे हमारा यह विश्वास और मजबूत हुआ कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए कोई भी विवरण छोटा नहीं है।

जब मई 2025 में अंतिम फैसला सुनाया गया, तो इस पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आई। जनता में से कई लोगों के लिए, यह एक दर्दनाक अध्याय का लंबे समय से प्रतीक्षित समापन था। दूसरों के लिए, इसने उन प्रणालीगत खामियों पर सवाल उठाए, जिन्होंने पहले स्थान पर अपराध की अनुमति दी। यह फैसला, कानूनी रूप से सही होने के साथ-साथ मुकदमे के दौरान प्रस्तुत किए गए व्यापक साक्ष्यों पर आधारित है, लेकिन इसने अंकिता के नुकसान पर शोक मना रहे समुदाय की पीड़ा को पूरी तरह से कम नहीं किया है। एक अपील प्रक्रिया है जिसमें सरकार और पुलिस अभियोजन पक्ष के मामले की ताकत पर पूरे विश्वास के साथ शामिल होने के लिए दृढ़ हैं।

इस मामले से तीन मुख्य सबक मिले हैं। पहला, जनता के साथ स्पष्ट, प्रभावी संचार का महत्व। पारदर्शी अपडेट और समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ जुड़ने की इच्छा ने विश्वास बनाने में बहुत मदद की, भले ही इसका मतलब कभी-कभी आलोचनाओं की लहरों से गुजरना हो। दूसरा, अत्याधुनिक फोरेंसिक उपकरण और डिजिटल डेटा विश्लेषण जैसी तकनीक का एकीकरण, न्याय सुनिश्चित करने के हमारे निरंतर प्रयासों में एक परम आवश्यकता है। और अंत में, इस मामले ने सामूहिक सतर्कता की शक्ति को रेखांकित किया, जो हर कदम पर जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।

पेशेवर दृष्टिकोण से इस मामले पर विचार करने पर, यह एक त्रासदी और कार्रवाई का आह्वान दोनों है। यह अपराध की मानवीय कीमत की एक गंभीर याद दिलाता है और न्याय के लिए हमारे अथक प्रयास का प्रमाण है, भले ही विभिन्न दबावों और विकर्षणों का सामना करना पड़े। सार्वजनिक आक्रोश, जिसे अक्सर आशंका के साथ देखा जाता है, अंततः सिस्टम को सही दिशा में ले जाने में एक स्वागत योग्य उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। कोई भी गर्व से कह सकता है कि राजनीतिक कार्यपालिका के समर्थन, पुलिस नेतृत्व की दृढ़ता और इस मामले को सौंपे गए प्रत्येक अधिकारी द्वारा कानून के शासन का सख्ती से पालन करने के माध्यम से, हम अंकिता के लिए न्याय और समापन का एक उपाय लाने में कामयाब रहे।

आगे देखते हुए, इस मामले की विरासत हमें अपनी परिचालन रणनीतियों को लगातार परिष्कृत करने, सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ाने और हमारे अधिकारियों को अत्याधुनिक बनाने वाले प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी में निवेश करने के लिए प्रेरित करेगी। राजनीतिक नेतृत्व से हमें जो खुली छूट मिलती है, वह इस तरह की सभी भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में महत्वपूर्ण होगी। सुधार का मार्ग कड़ी मेहनत से अर्जित सबक से बना है, और हर मामला जो सजा में समाप्त होता है, वह कानून के शासन की स्थापना में प्रगति का प्रतीक है।

(अभिनव कुमार, आईपीएस, उत्तराखंड के अपर महानिदेशक, कारागार हैं।)

नमक
स्वास्थ्य का साथी या संकट?

नमक का परिचय नमक केवल स्वाद का संवाहक नहीं, बल्कि जीवन के लिए आवश्यक खनिज है। वैज्ञानिक रूप से इसे सोडियम क्लोराइड (एनएसीएल) कहा जाता है। यह शरीर में फ्लूइड बैलेंस, तंत्रिका संकेत और मांसपेशी संकुचन के लिए ज़रूरी होता है।

डाइटिशियन वंदना, फीमेल न्यूट्रिशन एक्सपर्ट

आयोडीन युक्त नमक पर विशेष ध्यान - यह सामान्य टेबल सॉल्ट होता है जिसमें आयोडीन मिलाया गया होता है। आयोडीन एक आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है जो थायरॉइड ग्रंथि की कार्यप्रणाली के लिए ज़रूरी होता है। इसकी कमी से गॉइटर, मेंटल रिटार्डेशन और थायरॉइड संबंधी रोग हो सकते हैं। डब्लूएचओ के अनुसार, दुनिया भर में आयोडीन की कमी बुद्धि विकास की सबसे बड़ी रोक में से एक है। भारत में 1986 से यूनवर्सल सॉल्ट इआॅडिजेसन प्रोग्राम के अंतर्गत हर घर तक आयोडीन युक्त नमक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

नमक की दैनिक आवश्यकता कितनी है?

वयस्क: अधिकतम 5 ग्राम (1 टीस्पून)

बच्चे (1-9 वर्ष): 2-3 ग्राम

बीपी या हार्ट रोगी: 1.5-2 ग्राम तक सीमित डब्लूएचओ और आईसीआमआर दोनों यही सुझाव देते हैं। 'नमक जितना कम, स्वास्थ्य उतना उत्तम।' आयोडीन युक्त नमक और प्राकृतिक विकल्प- विज्ञान बनाम परंपरा

आयोडीन युक्त नमक के लाभ:

आयोडीन की पूर्ति करता है- थायरॉइड हार्मोन का निर्माण नियंत्रित करता है- गर्भवती महिलाओं में मानसिक विकास सुनिश्चित करता है आसानी से उपलब्ध, सस्ता और नियंत्रित मात्रा में आयोडीन युक्त

क्या सभी को आयोडीन युक्त नमक लेना चाहिए?

हाँ, विशेषकर:- बच्चे- किशोरावस्था में लड़कियाँ- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं लेकिन इन स्थितियों में ध्यान दें: यदि व्यक्ति को थायरॉइड हाइपरफंक्शन है- यदि आयोडीन युक्त नमक का अधिक सेवन किया जा रहा है तो त्वचा की समस्याएं, घबराहट, नींद में गड़बड़ी हो सकती है।

सेंधा और समुद्री नमक का स्थान:

सेंधा नमक आयुर्वेद में सात्विक माना गया है। इसमें लगभग 84 प्रकार के मिनरल्स होते हैं। व्रत, पाचन सुधार, और शरीर शुद्धि में उपयोगी- समुद्री नमक प्राकृतिक स्रोत है पर इसमें आयोडीन नहीं होता। क्या केवल सेंधा या सी सॉल्ट पर्याप्त है? यदि आप केवल सेंधा या सी सॉल्ट उपयोग करते हैं तो आयोडीन की पूर्ति का दूसरा स्रोत जरूरी है। जैसे समुद्री मछली, समुद्री शैवाल, आयोडीन युक्त सप्लीमेंट।

समझदारी से चुनें नमक:

स्वाद में फर्क हो सकता है, परंतु स्वास्थ्य के लिए आयोडीन युक्त नमक सबसे जरूरी है। यदि आप सेंधा या पिंक सॉल्ट ले रहे हैं, तो आयोडीन की पूर्ति का ध्यान रखें। व्रत, डिटॉक्स या आयुर्वेदिक चिकित्सा में सेंधा नमक उचित विकल्प है, पर रोजमर्रा में आयोडीन युक्त नमक सबसे उपयुक्त है। 'स्वाद के साथ स्वास्थ्य भी ज़रूरी है!' अपने घर में आयोडीन युक्त नमक रखें और सप्ताह में 1-2 बार सेंधा नमक का भी संतुलित प्रयोग करें, यह संतुलन ही संपूर्ण आरोग्यता की कुंजी है।

उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बजा बिगुल

शनिवार को उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया गया है। उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया है कि मतदान दो चरणों में होगा। पहला चरण 10 जुलाई को और दूसरा चरण 15 जुलाई को होगा। पंचायत चुनाव के परिणाम 19 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव में वैसे तो अभी करीब दो साल का समय है। उससे पहले ये पंचायत चुनाव हो रहे हैं। इनके नतीजे एक तरह से मौजूदा भाजपा सरकार और पुष्कर सिंह धामी सरकार की परीक्षा की तरह होंगे। पंचायत चुनाव की तारीखों के एलान होते ही गांव से लेकर जिला स्तर तक राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हरिद्वार को छोड़कर 12 जिलों में चुनाव हो रहा है। ग्राम प्रधान, सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य के लिए चुनाव होगा।

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

शनिवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरी देवभूमि योगमय नजर आई। योग दिवस पर उत्तराखंड के नागरिक योगाभ्यास कर रहे थे कि उसी दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की डुगडुगी भी बजा दी गई। इस पंचायत चुनाव की तारीखों को लेकर पिछले लंबे समय से लोगों में बेसब्री से इंतजार था। अब उत्तराखंड में गांवों की सरकार बनने के लिए तैयारी शुरू हो गई है। शनिवार को उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया गया है।

उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया है कि मतदान दो चरणों में होगा। पहला चरण 10 जुलाई को और दूसरा चरण 15 जुलाई को होगा। पंचायत चुनाव के परिण ााम 19 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव में वैसे तो अभी करीब दो साल का समय है। उससे पहले ये पंचायत चुनाव हो रहे हैं। इनके नतीजे एक तरह से मौजूदा भाजपा सरकार और पुष्कर सिंह धामी सरकार की परीक्षा की तरह होंगे। उत्तराखंड में हरिद्वार जिला छोड़ प्रदेश के अन्य 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने संबंधित अधिसूचना जारी की गई। उत्तराखंड शासन की ओर से चुनावी कार्यक्रम की अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने शनिवार को प्रेसवार्ता को संबोधित किया। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से आरक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग को भी भेज दिया था। ऐसे में पंचायती राज सचिव की ओर से चुनावी अधिसूचना 21 जून को जारी होने के बाद अब जिला निर्वाचन अधिकारी 23 जून को चुनाव की सूचना जारी करेंगे। जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रदेश में दो चरणों में पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। साथ ही 19 जुलाई को एक साथ मतगणना होगी। आज से आचार संहिता लागू हो गई है। अब 23 जून को सभी जिलाधिकारियों द्वारा अपने-अपने जिलों में अधिसूचना जारी करना है। नामांकन प्रक्रिया 25 जून से 28 जून तक चलेगी, जो प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगी। नामांकन पत्रों की जांच 29 जून से 1 जुलाई तक की जाएगी। इसके बाद 2 जुलाई को उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे। पंचायत चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण का प्रतीक आवंटन तीन जुलाई को होगा और मतदान 10 जुलाई को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक संपन्न होगा। दूसरे चरण का प्रतीक आवंटन 8 जुलाई को होगा, और मतदान 15 जुलाई को होगा। पूरी चुनाव प्रक्रिया की मतगणना 19 जुलाई 2025 को होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को चुनाव की निष्पक्षता और सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

पंचायत चुनाव की तारीखों के एलान होते ही प्रदेश में बढ़ी राजनीतिक सरगर्मियां

पंचायत चुनाव की तारीखों के एलान होते ही गांव से लेकर जिला स्तर तक राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हरिद्वार को छोड़कर 12 जिलों में चुनाव हो रहा है। ग्राम प्रधान, सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य के लिए चुनाव होगा। बता दें कि प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर पिछले लंबे समय से लगातार इस बात की मांग की जा रही थी कि प्रदेश में पंचायत चुनाव कर दिया जाए, लेकिन पंचायत चुनाव किन्हीं कारणों से लगातार टलते हुए नजर आ रहे थे। फिलहाल पंचायत चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ही तैयार हैं। दोनों ही पार्टियों ने अपने-अपने नेताओं की रायशुमारी शुरू कर दी है और जल्द ही अपनी-अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को मैदान में उतरने के लिए दोनों ही पार्टियों नाम का एलान भी करेंगी। उत्तराखंड में 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे, जिसके लिए आगामी पंचायत चुनावों को सेमी फाइनल माना जा रहा है। इसमें प्रदेश की दोनों प्रमुख पार्टियां भाजपा और कांग्रेस अभी से जोरआजमाइश कर रहीं हैं। अभी भाजपा सत्ता में है तो उसकी मजबूती साफ नजर आ रही है, कांग्रेस को भाजपा के मुकाबले के साथ पार्टी की अंतर्कलह से भी निपटना है। राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया कि पंचायत चुनाव में इस बार 47 लाख 77 हजार 72 कुल वोटर हैं। इनमें 24 लाख 65 हजार 702 पुरुष मतदाता हैं जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 23 लाख 10 हजार 996 है। ये सभी पंचायत चुनाव में मतदान का प्रयोग करने के पात्र हैं। आयोग के मुताबिक, पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत सदस्यों के 55587, ग्राम पंचायत प्रधान के 7499, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के 2974 और जिला पंचायत सदस्यों के 358 पदों के लिए मतदान होगा। सुचारु मतदान के लिए कुल 8276 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान स्थलों की कुल संख्या 10529 है। राज्य निर्वाचन आयोग ने ग्राम पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम चुनाव खर्च की सीमा 10,000 रुपये खर्च तय की है। ग्राम प्रधान पद के लिए चुनावी खर्च की सीमा पहले 50 हजार रुपये थी, जो अब 75 हजार रुपए कर दी गई है। क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवार अब पहले के तय 50 हजार रुपये के बजाय 75 हजार रुपये खर्च कर सकेंगे। जिला पंचायत सदस्य के लिए एक लाख 40 हजार रुपये की सीमा निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है।

उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार ने पंचायती राज की संवैधानिक अवधारणा को नष्ट कर दिया हैः यशपाल आर्य

यशपाल आर्य, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार ने पंचायती राज की संवैधानिक अवधारणा को नष्ट कर दिया है। सरकार ने आरक्षण लागू करने में न पंचायती राज अधिनियम में उल्लेखित प्राविधानों का पालन किया न उच्चतम न्यायालय ओर उच्च न्यायालय के आदेशों का।

उन्होंने कहा कि एक दिन पहले सरकार के महाधिवक्ता ने उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया था कि, वे आरक्षण के विसंगतियों पर 3 दिन के भीतर माननीय न्यायालय में सरकार की ओर से जबाव देंगे। न्यायालय में महाधिवक्ता का आश्वासन सरकार का आश्वासन होता है लेकिन सरकार ने अपना आश्वासन पूरा करने के बजाय राज्य में त्रिस्तरीय चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2016 में कांग्रेस सरकार द्वारा उत्तराखंड के पंचायत राज एक्ट में त्रिस्तरीय पंचायत आरक्षण प्रकिया को रोटेशन प्रणाली से लागू कर प्रत्येक वर्ग को पंचायतों में प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान किया गया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा ओबीसी वर्ग को पंचायतों में आरक्षण दिये जाने के निर्देशों के क्रम में वर्मा आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ओबीसी वर्ग के आरक्षण निर्धारण तो प्रथम चरण के अनुसार होना चाहिए लेकिन अन्य वर्गो के आरक्षण की प्रक्रिया 2019 के पंचायत चुनावों के बाद वर्तमान में द्वितीय चरण में रोटेशन के आधार पर होनी चाहिए थी।

श्री आर्य ने कहा कि सरकार के इस बेतुके निर्णय से एक ही सीट तीसरी अथवा चौथी बार एक ही वर्ग के लिए आरक्षित हो गई है। ऐसे में किसी एक वर्ग के लोगों को एक जीवन में प्रतिनिधत्व ही नहीं मिलेगा। जबकि पंचायतों में आरक्षण की मूल धारणा के अनुसार हर पांच वर्षो में रोटेशन के आधार पर प्रत्येक वर्ग महिला, पुरुष, एससी, ओबीसी, एसटी को प्रतिनिधित्व दिये जाने का प्रावधान है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आरक्षण तय करने में सरकार को उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार पुराने रोस्टर को ही आगे बढ़ाते हुए पिछड़े वर्ग को शून्य से आरक्षण देना था लेकिन सरकार ने पंचायतों के हर स्तर के लिए अलग फार्मूला तय किया है, जो असंवैधानिक है।

श्री आर्य ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा पंचायत राज संबंधी संवैधानिक सुधारों की मूल भावना यह थी कि, समाज के हर वर्ग को रोस्टर के अनुसार प्रतिनिधत्व मिले लेकिन उत्तराखंड में अपने चहेते लोगों को रेवड़ी बांटने के लिए सरकार ने इस भावना को तार तार कर दिया है।

क्या बंद हो जाएगी केदारनाथ में चलने वाली हेली सर्विस
देखें कितना होगा नुकसान और फायदा

किरण कांत शर्मा
स्टेट हैड
ई.टी.वी. उत्तराखंड

क्या केदारनाथ बद्रीनाथ में उड़ने वाले हेलीकॉप्टर को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा? क्या आने वाले समय में केदारनाथ की कठिन यात्रा सिर्फ श्रद्धालु पैदल पालकी और खच्चरों से ही करेंगे? यह कुछ ऐसे सवाल हैं जो डीजीसीए की जांच के बाद उठने लगे हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के साथ-साथ उत्तरकाशी में हुए हाल के दिनों में हादसों के बाद डीजीसीए ने 10 दिनों तक उत्तराखंड में चल रही हेली सर्विस का रिव्यू करके यह फैसला लेने का मन बनाया है की क्या केदारनाथ सहित उत्तराखंड की चार धाम यात्रा पर चल रही है हेली सर्विस को बंद किया जा सकता है और वह कौन से कारण है जिसकी वजह से यह फैसला लेना पड़ सकता है यह 10 दिनों के रिव्यु के बाद साफ हो जाएगा।

हादसे के बाद डीजीसीए कर रहा है रिव्यू

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हर साल लगातार बढ़ रही है और इसके साथ ही बढ़ रही है चार धाम में चल रही है हेली सर्विस की मुश्किले भी। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि उत्तराखंड की चार धाम यात्रा में खासकर केदारनाथ धाम में हेली सर्विस के माध्यम से लगातार श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन कर रहे हैं। अत्यधिक भीड़ और लगातार टिकट बुकिंग के बाद रोजाना सैकड़ों उड़ाने केदारनाथ के लिए उठाती हैं। यही कारण है कि हर साल केदारनाथ हो या फिर दूसरे धाम वहां पर हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है। इसी साल यात्रा के दौरान 30 दिनों के भीतर 13 लोगों की जान और करोड़ों रुपए के यह हेलीकॉप्टर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ऐसे में डीजीसीए ने अब केदारनाथ सहित अन्य धामों में चल रही हेली सर्विस पर अपनी नजर में तिरछी की है और 10 दोनों का समय इस बात के लिए लिया है की ताकि यह देखा जाए की आने वाले दिनों में केदारनाथ बद्रीनाथ गंगोत्री और यमुनोत्री में चल रही है हेलीकॉप्टर सर्विस को सुचारू रूप से आगे चलाया जाएगा या फिर इनको बंद भी किया जा सकता है।

किस किस तरह की हो रही है निगरानी

चार धाम यात्रा में हेली सर्विस के पर्यटन नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने भी इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि डीजीसीए 10 दिनों तक घाटी में चल रही हेली सर्विस पर रिव्यू कर रही है। इस रिव्यू के तहत कई तरह की रोक कई तरह की पाबंदियां भी चार धाम यात्रा पर चल रही हेली सर्विस पर लगाई जा रही है। मौजूदा समय में ऐसा पहली बार है जब केदारनाथ को उड़ने वाली हेलीकॉप्टर सेवा को रेगुलेट किया गया है। रेग्यूलेट का मतलब आप इस हिसाब से देख सकते हैं कि हादसे से पहले एक घंटे में यात्रियों को हेलीकॉप्टर 25 से 30 बार उड़ा करते थे यह उड़ान तीन अलग-अलग जगह से उड़ती थी लेकिन अब अब मात्र 1 घंटे में 9 से 10 उड़ान भरी जा रही है।

अभी क्या लगी है पाबंदी

डीजीसीए ने मौजूदा समय में एक और पाबंदी केदारनाथ में चल रही हेली सर्विस पर लगाई गई है। डीजीसीए ने यह साफ किया है कि अभी तक जो हेलीकॉप्टर में छह सवारियां सवार होकर केदारनाथ पहुंच रही थी, अब मौसम वजन और हेलीकॉप्टर ने कितने चक्कर लगाए हैं उस हिसाब से सवारियों को हेलीकॉप्टर में बैठाया जाएगा। यानि एक बारी में तीन से चार ही यात्री हेलीकॉप्टर से आना और जाना कर पाएंगे। अगर मौसम जरा भी खराब होता है तो किसी भी तरह की कोई भी उड़ान कोई भी एजेंसी नहीं भरेगी। इसके साथ ही डीसीए हर एक उड़ान और एविएशन की सारी एक्टिविटी पर नजर रख रहा है ताकि इस रिव्यू को बेहतर तरीके से किया जा सके और आगे का

फैसला लिया जा सके.

फ़िलहाल उड़ान और यात्रियों में आई 30 प्रतिशत की कमी

राहुल चौबे बताते हैं कि अगर केदारनाथ में हेलीकॉप्टर सेवा पूरी तरह से बंद होती है या मौजूदा समय में जिस तरह से कुछ पाबंदियों के साथ उड़ रही है उसके बाद भी हेलीकॉप्टरों को और यात्री दोनों को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से डीजीसीए जो भी फैसला ले रहा है वह सही ले रहा है। उन्होंने बताया कि अचानक से 30 प्रतिशत उड़ान और केदारनाथ जाने वाले भक्तों में कमी आई है। हालांकि अभी केदारनाथ में मौसम दो दिनों से खराब है लिहाजा कम ही हेलीकॉप्टर सर्विस कम कर रही है।

रोजाना की कितने यात्री कर रहे है सफर

आपको बता दें कि उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सर्विस से केदारनाथ में यात्रा करने वालों की संख्या हर साल लगभग 90000 से 1 लाख लोगों की है। रोजाना लगभग 1500 भक्त हेलीकॉप्टर से केदारनाथ दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लेकिन मौजूदा समय में हेलीकॉप्टर की उड़ान कम होने और कुछ एजेंसियों को सस्पेंड किए जाने के बाद टिकट रद्द किए जा रहे हैं। हालांकि टिकट रद्द के बाद उनके पैसे वापस होंगे लेकिन अपनी व्यवस्थाओं से चार धाम यात्रा या यह कहें केदारनाथ यात्रा पर आ रहे लोगों में मायूसी जरूर होगी। हाल फिलहाल में हुए हादसे के बाद और उससे पहले हेलीकॉप्टर सर्विस कुछ इस तरह से उड़ रही थी। 7 जून के दिन 253 शटल सेवा चली जिसमें 1404

हेलीकॉप्टर हादसें और हुई मौतेः एक नजर

12 जून 2010 में केदारनाथ में हेलीकॉप्टर के पंखे से कटकर एक व्यक्ति की जान चली गई थी।

जून 2013 में केदारनाथ आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्य में जुटे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। जिसमें पायलट की जान गई थी।

21 जून 2013 को एक प्राइवेट हेलीकॉप्टर गरुड़चट्टी के पास पहाड़ी पर क्रैश हुआ था। जिसमें पायलट समेत 2 लोगों की जान चली गई थी। अचानक धुंध उठने से विजिबिलिटी जीरो होने से यह हादसा हुआ था।

25 जून 2013 को केदारनाथ आपदा के दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा वायुसेना का एमआई 17 (MI-17) हेलीकॉप्टर खराब मौसम के चलते हादसे का शिकार हुआ। इस हादसे में पायलट, को-पायलट, जवानों समेत करीब 20 लोगों की जानें गई। गौरीकुंड-रामबाड़ा के बीच पहाड़ियों में कोहरे और खराब मौसम की वजह से यह हादसा हुआ था।

24 जुलाई 2013 को केदारनाथ में एक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया था। इस हादसे में एक पायलट और एक इंजीनियर की दर्दनाक मौत हो गई थी।

साल 2016 में भी टेक ऑफ करते समय केदारनाथ में एक हेलीकॉप्टर का दरवाजा अचानक हवा में खुल गया था, जिसकी वजह से हादसा होने से बाल-बाल बचा था।

10 जून 2017 को बदरीनाथ में हेलीपैड पर टेक ऑफ करते वक्त एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। जिसमें एक फ्लाइट इंजीनियर की मौत हो गई थी। उसकी मौत रोटर ब्लेड से टकराने से हुई थी।

3 अप्रैल 2018 को बिजली के तार में उलझकर सेना का एक हेलीकॉप्टर दो हिस्सों में टूट कर क्रैश हुआ। हालांकि, इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित बचे।

साल 2019 में एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने की वजह से केदारनाथ में ही इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

21 अगस्त 2019 को उत्तरकाशी जिले के आराकोट में आपदा रेस्क्यू अभियान में जुटा हेलीकॉप्टर की ट्रॉली के तारों की वजह से क्रैश हुआ था। जिसमें पायलट के साथ ही 3 लोगों की जान चली गई थी।

23 अगस्त 2019 को उत्तरकाशी जिले के आराकोट में ही एक और हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग करानी पड़ी। जिसमें पायलट गंभीर रूप से जख्मी हो गया था।

23 सितंबर 2019 को केदारनाथ में हेलीपैड पर लैंडिंग के दौरान एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे के दौरान हेलीकॉप्टर में पायलट समेत 7 यात्री सवार थे। जिन्हें मामूली चोटें आई थी।

18 अक्टूबर 2022 को केदारनाथ से उड़ान भरकर नीचे आ रहा हेलीकॉप्टर गरुड़चट्टी के पास क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट के साथ ही 7 लोगों की मौत हुई थी।

23 अप्रैल 2023 को उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) के वित्त महाप्रबंधक अमित सैनी की केदारनाथ में हेलीकॉप्टर की टेल रोटर से कटकर मौत हुई थी।

2 अक्टूबर 2023 को गुप्तकाशी से 5 तीर्थयात्रियों को लेकर जा रहे हेलीकॉप्टर की केदारनाथ पुराने पैदल मार्ग पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हालांकि, गनीमत रही कि इस हेली इमरजेंसी लैंडिंग में कोई जनहानि नहीं हुई।

24 मई 2024 को सिरसी से केदारनाथ धाम जा रहे एक हेलीकॉप्टर की हेलीपैड से चंद कदम दूर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जिसमें हेलीकॉप्टर में सवार 6 लोग बाल-बाल बच गए।

8 मई 2025 को उत्तरकाशी जिले में खरसाली से हर्षिल जा रहा एक हेलीकॉप्टर गंगनानी के पास क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट समेत 6 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। ये यात्री महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के थे. जबकि, पायलट गुजरात का रहने वाला था।

13 मई को एक बार फिर से बदरीनाथ से श्रद्धालुओं को लेकर वापस लौट रहा हेलीकॉप्टर अचानक तकनीकी खामी की वजह से डगमगाने लगा था। पायलट की सूझबूझ से उसकी तत्काल इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी। यह लैंडिंग ऊखीमठ में की गई थी।

17 मई को एक बार फिर से केदारनाथ जा रहा ऋषिकेश एम्स का हेलीकॉप्टर हेलीपैड से चंद कदमों की दूरी पर ही अचानक क्रैश हो गया था। गनीमत यह रही कि पायलट की सूझबूझ से यहां भी सभी लोगों की जान सुरक्षित रही।

7 जून को केदारनाथ के लिए उड़ान भर रहे हेलीकॉप्टर की अचानक से हाईवे पर ही क्रैश लैंडिंग करवानी पड़ी। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई।

15 जून को उत्तराखंड के केदारनाथ चार धाम यात्रा मार्ग के गौरीकुंड में हुए हेलिकॉप्टर क्रैश में 6 तीर्थ यात्री, पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी।

न जांच न पड़ताल फिर उड़ान भरने लगे हेलिकॉप्टर

शंभूनाथ गौतम

रविवार 15 जून को उत्तराखंड के केदारनाथ चार धाम यात्र मार्ग के गौरीकुंड में हुए हेलिकॉप्टर क्रैश में 6 तीर्थ यात्री, पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेलिकॉप्टर सेवा पर रोक लगा दी थी। सीएम धामी के इस आदेश के बाद लग रहा था कि कई दिनों तक हेली सेवा पर रोक रहेगी और पूरी जांच पड़ताल के बाद ही हेलिकॉप्टर कंपनियों को उड़ान की अनुमति दी जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। केवल दो दिन बंद रहने के बाद मंगलवार से चार धाम के लिए हेली सेवा शुरू हो गई है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी की सीईओ सोनिका ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार से चारों धामों के लिए हेली सेवा पुन: संचालित की जाएगी। हेलिकॉप्टर संचालन के दौरान डीजीसीए के हर एक नियम का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम साफ होने और विजिबिलिटी के आधार पर ही हेलीकाप्टर सेवाएं संचालित की जाएगी। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि सभी हेली ऑपरेटर को डीजीसीए से तय मानकों का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए गए हैं। खासकर केदारनाथ धाम में संचालित होने वाले हेलिकॉप्टर के लिए हिमालयी क्षेत्र में उड़ान के अनुभव भी पायलट को ही प्राथमिकता देने को कहा गया है। साथ ही उड़ान के दौरान मौसम की सटीक जानकारी अनिवार्य रूप से लेकर ही उड़ान भरी जाएगी। उन्होंने बताया कि हेली ऑपरेटर टाइम स्लॉट के तहत ही हेलिकॉप्टर सेवाओं का संचालन करेंगे। यदि कोई हेली आपरेटर नियमों का उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि 15 जून को केदारनाथ धाम क्षेत्र में हुई हेलिकाप्टर दुर्घटना के बाद चारधाम के लिए हेली सेवा के संचालन को बंद कर दिया गया था। उत्तराखंड में हुई हेलिकॉप्टर दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेलिकॉप्टर संचालन को लेकर कड़े निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हेली सेवाओं के संचालन के लिए सख्त एसओपी तैयार की जाए, जिसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की पूर्ण जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य किया जाए।

श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का रास्ता तय किया। 8 जून को 208 शटल सेवा चली जिसमें 1161 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया वहीं अगर 9 जून की बात करें तो 186 शटल सेवा चली जिसमें 1043 भक्तों ने बैठ कर केदार का दर्शन किया। वही अगर बात 10 जून की करें तो मात्र 143 उड़ान केदारनाथ के लिए भारी जिसमें 741 श्रद्धालुओं ने सफर किया। 11 जून से केदारनाथ धाम और हेली सर्विस के लिए मौसम खराब बना हुआ है लिहाजा 11 और 12 जून को कुछ ही हेलीकॉप्टर सुबह उड़ पाए।

क्या क्या रखा जा रहा है फ़िलहाल ध्यान

डीजीसीए हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान अब इस बात का भी ध्यान रखना है कि कहीं अत्यधिक वजन को ढोने के चक्कर में या कम निचाई पर हेलीकॉप्टर को रखने या लगातार एक के बाद एक उड़ान भरने के साथ साथ दूसरी कोई लापरवाही तो नहीं बरती जा रही है। हेलीकॉप्टर के इंजन को आराम मिल सके साथ ही साथ पायलट को भी बीच में अच्छा खासा ब्रेक मिले इस बात को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

बीते साल के आंकड़े क्या कहते है

अब सवाल उठता है कि अगर भविष्य में केदारनाथ में चल रही हेलीकॉप्टर सर्विस को बंद किया जाता है तो उसका असर किस तरह का पड़ेगा? क्या पर्यटन रोजगार या अन्य चीजों पर इसका असर पड़ेगा तो इस बात को यू समझते है.

साल 2024 में चार धाम यात्रा के दौरान 9 हेलीकॉप्टर कंपनी उड़ान भर रही थी और लगभग 1,00,000 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ में हेलीकॉप्टर के माध्यम से दर्शन किए थे जबकि बद्रीनाथ और गंगोत्री का आंकड़ा अलग है। साल 2024 में सरकार को हेलीकॉप्टर कंपनियों से लगभग 195 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था यानी हेलीकॉप्टर अगर चल रहे हैं तो सरकार का खजाना भी अच्छा खासा भरता रहेगा। इस वर्ष पिछले महीने की 31 तारीख तक लगभग 31,700 से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। अगर हेलीकॉप्टर सर्विस बंद होती है तो राज्य सरकार को राजस्व का अच्छा खासा नुकसान होगा। वहीं दूसरी तरफ जो श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से आसानी से केदारनाथ यात्रा पर पहुंच जाते हैं उन श्रद्धालुओं को अगर यात्रा करनी है तो या तो 16 किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई से मंदिर तक जाना पड़ेगा अथवा घोड़े खच्चर पालकी से मंदिर तक का सफर करना पड़ेगा।

क्या होगा फायदा और नुकसान

हेलीकॉप्टर चलने या बंद होने से और क्या फायदे हो सकते हैं? इस बारे में हमने मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष अजेंद्र अजय से जब यह सवाल पूछा तो उन्होंने उसका जवाब कुछ इस तरह से दिया-''केदारनाथ हो या बद्रीनाथ या अन्य धाम, यहां पर चल रही है हेलीकॉप्टर सेवाओं के कुछ पहलू पॉजिटिव भी है कुछ निगेटिव भी है। अगर हम पर्यावरण के हिसाब से देखेंगे तो यह पाएंगे कि केदारनाथ हो या किसी भी हिमालय क्षेत्र में अगर हेलीकॉप्टर चलाते हैं तो पर्यावरण के लिहाज से उसे ठीक नहीं कहा जा सकता परंतु हम आर्थिक दृष्टि से अगर इसको देखेंगे तो यह बात सही है कि हेलीकॉप्टर अगर चल रहे हैं तो उससे कई लोगों का फायदा होगा और हो रहा है। जैसे हेलीकॉप्टर सर्विस के दौरान एक एजेंसी के पास लगभग 30 से 40 लोग काम करते हैं इसके साथ ही अलग-अलग ग्राउंड स्टाफ और बहुत सी गतिविधियां आर्थिक रूप से होती हैं। श्रद्धालुओं को एक फायदा हो जाता है कि वह कम समय में केदारनाथ पहुंच जाते हैं। परंतु बात यह भी सही है कि अगर उत्तराखंड में चार धाम यात्रा साल 2024 में 60 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे और उनमें मात्र एक लाख श्रद्धालु केदारनाथ हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे तो अगर यह प्रतिशत निकल भी जाए तो बहुत कम है।''

नहीं जायेगा सही सन्देश

वहीं उत्तराखंड पर्यटन सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जमदग्नि कहते हैं-''किसी भी सेवा को अथवा योजना को बंद जब किया जाता है तो उसका केवल नुकसान होता है। अगर केदारनाथ या बद्रीनाथ में चल रही है हेली सर्विस बंद होती है तो यह सही नहीं होगा। इसका नुकसान सभी को होगा क्योंकि राज्य सरकार लगातार हेली सर्विस को बढ़ावा दे रही है। हमारी सरकार ने उत्तराखंड की चार धाम यात्रा के अलावा कुमाऊं और गढ़वाल के कई शहरों को हेलीकॉप्टर सेवा से जोड़ा है। ऐसे में अगर यह सर्विस बंद होगी तो एक संदेश भी अच्छा नहीं जाएगा हां इतना जरूर हो सकता

सचिव एविएशन सचिन कुर्वे और सीईओ यूकाडा सोनिका हटाए गए

19 जून को देर रात हुए आईएएस अधिकारियों के तबादलों में दो तबादले महत्वपूर्ण थे। एक नागरिक उड्डयन सचिव सचिन कुर्वे और दूसरा नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका। ये दोनों ही आईएएस अधिकारी है। सचिन कुर्वे पर यह आरोप था कि उन्होंने मई और जून में हुए हादसों के वाबजूद न तो कोई संवाद किया और न ही कोई प्रभावी कार्यवाही। सोनिका पर आरोप था कि उन्होंने यूकाडा का चार्ज लेते ही यूकाडा में कार्यरत् सभी कर्मचारियों को हटा दिया था। जिससे यूकाडा के कार्यक्षमता प्रभावित हुई थी।

है कि इस पर कोई ऐसा निर्णय लिया जाए ताकि हद से भी ना हो और यात्रा भी सुचारू रूप से हेलीकॉप्टर से चलती रहे।

शशि भूषण ने बताई रोजाना की आँखों देखी

उत्तराखंड की बारीकी को बेहद करीब से समझने वाले शशि भूषण मैठाणी कहते है-''इसमें कोई दो राय नहीं है कि उत्तराखंड की चार धाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर बेहद जरूरी है। यह जरूर इसलिए भी है क्योंकि केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसी यात्राओं पर अब वह श्रद्धालु भी दर्शन करने के लिए पहुंच जाते हैं जिनके हाथ पांव ठीक से चलते नहीं है और उनके परिवार उनके बच्चे उनके लिए श्रवण कुमार की तरह हेलीकॉप्टर को बुक करवरकर यात्रा करवाते हैं। लेकिन हमें दूसरा पहलू यह देखना है कि मैं भी लगातार चार धाम रूट पर यह देख रहा हूं कि हेलीकॉप्टर को टैक्सी बनाकर उड़ाया जा रहा है इतना ही नहीं जो हेलीकॉप्टर देहरादून से उड़ान भरता है उसको शायद यह मालूम नहीं होता कि पहाड़ पर हालात पल-पल बदलते हैं, ऐसे में कई बार दुर्घटना हो जाती है और कई बार बाल बाल बचते हैं। इसलिए सभी पहलुओं को देखकर इन सेवाओं का संचालन हो तो बेहतर है अभी बेरोकटोक कई बार संचालन देखने के लिए मिला है।

भारतीय वायु सेना प्रमुख से मिलकर अभिभूत हुए डीडीए निदेशक

हैदराबाद में हुई इंडियन एयर फोर्स की पासिंग आउट परेड के दौरान संदीप सर दून डिफेन्स अकाडमी के निदेशक संदीप गुप्ता को एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह से मिलने का मौका मिला।

अपने अनुभव साझा करते हुए संदीप गुप्ता ने कहा कि भारतीय वायु सेना प्रमुख ए.पी. सिंह हमेशा से उनके प्रेरणा स्रोत रहें हैं और उनसे मिलना बड़े सौभाग्य कि बात है और उनसे मिलने का मौका बहुत ही अद्भुत था।

उन्होंने बताया कि इस पीओपी में बहुत सारे डीडीए डायमंड्स का हिस्सा बन एयर फोर्स में फ्लाइंग ऑफिसर बन गए है। साथ ही आईएमए की पासिंग आउट में भी बहुत सारे डीडीए डायमंड्स ने अंतिम पग पार कर भारतीय सेना में अधिकारी बने।

संदीप गुप्ता ने बताया कि डीडीए ने पिछले बीस सालों में 14 हजार से ज्यादा युवा तैयार कर इंडियन आर्म्ड फ़ोर्स को तैयार करके दिए हैं और ये सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

महामहिम मुर्मू ने देहरादून में 'राष्ट्रपति निकेतन और तपोवन' के खोले द्वार

महामहिम द्रौपदी मुर्मू का तीन दिवसीय उत्तराखंड का दौरा ऐतिहासिक के साथ यादगार भी रहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने आम लोगों के लिए राजधानी देहरादून में बहुप्रतीक्षित 'राष्ट्रपति निकेतन, राष्ट्रपति तपोवन' को आम जनता के लिए खोल दिया। राष्ट्रपति ने अपना जन्मदिवस भी मनाया इसके साथ लोगों को योग भी सिखाया। दिव्यांग बच्चों ने राष्ट्रपति मुर्मू के जन्मदिन पर ऐसा गीत गाया कि उनकी आंख में आंसू भी आ गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति निकेतन में आयोजित कार्यक्रम में नैनीताल स्थित राजभवन के 125 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष डाक टिकट जारी किया। नैनीताल स्थित राजभवन का भवन ब्रिटिश काल की गोथिक स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके साथ राज्यपाल गुरमीत सिंह की राष्ट्रपति मुर्मू और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ ली गई सेल्फी भी चर्चा में रही। शंभू नाथ गौतम

इस बार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड दौरा ऐतिहासिक के साथ यादगार भी रहा। राजधानी देहरादून में तीन दिन प्रवास के दौरान महामहिम सीधे ही जनता से जुड़ी रहीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आम लोगों के लिए राजधानी देहरादून में बहुप्रतीक्षित 'राष्ट्रपति निकेतन' के द्वार भी खोले। राष्ट्रपति ने अपना जन्मदिवस भी मनाया इसके साथ लोगों को योग भी सिखाया। दिव्यांग बच्चों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर ऐसा गीत गाया कि उनकी आंख में आंसू भी आ गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति निकेतन में आयोजित कार्यक्रम में नैनीताल स्थित राजभवन के 125 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष डाक टिकट जारी किया। नैनीताल स्थित राजभवन का भवन ब्रिटिश काल की गोथिक स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके साथ राज्यपाल गुरमीत सिंह की राष्ट्रपति मुर्मू और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ ली गई सेल्फी भी चर्चा में रही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां राजपुर रोड स्थित राष्ट्रपति तपोवन और राष्ट्रपति निकेतन को जनता के लिए खोल दिया। राष्ट्रपति ने यहां राजपुर रोड पर स्थित राष्ट्रपति निकेतन में जन सुविधाओं जैसे आगंतुक सुविधा केंद्र, कैफेटेरिया और सोवेनियर की दुकान का भी उद्घाटन किया। यहां उन्होंने एक एंफीथियेटर का भी उदघाटन किया था। मुर्मू ने राष्ट्रपति निकेतन में राष्ट्रपति उद्यान की भी आधारशिला रखी। 186 साल पुराना यह राष्ट्रपति का विश्रामगृह 21 एकड़ में फैला 'राष्ट्रपति निकेतन', जिसे पहले 'राष्ट्रपति आशियाना' कहा जाता था, अब राष्ट्रपति भवन और उसकी विरासत से नागरिकों को जोड़ने की पहल के तहत दर्शकों के लिए खोला जा रहा है। यह इमारत पहले राष्ट्रपति अंगरक्षक के घोड़ों के प्रशिक्षण के लिए उपयोग की जाती थी। अब इसे एक विरासत संग्रहालय में बदला गया है, जहां कला कृतियों का प्रदर्शन किया जाएगा और इसकी ऐतिहासिक धरोहर को दर्शाया जाएगा। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान वह एक और बड़ी परियोजना 'राष्ट्रपति उद्यान' की आधारशिला भी रखेंगी। यह 132 एकड़ में बनने वाला एक पारिस्थितिकीय पार्क होगा, जिसे अगले वर्ष तक पूरा किया जाना प्रस्तावित है। इस पार्क में थीमैटिक गार्डन, तितली उद्यान, एक सुंदर झील, पक्षी विहार बच्चों के लिए खेल क्षेत्र, स्पोर्ट्स जोन, साइक्लिंग और जॉगिंग ट्रैक, जल संरक्षण प्रणाली, और आउटडोर लर्निंग इंस्टॉलेशन होंगे। यह एक "लिविंग क्लासरूम" की तरह विकसित किया जाएगा, जो पर्यावरणीय जागरूकता, प्रकृति से जुड़ाव और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, आम जनता 19 एकड़ में फैले 'राष्ट्रपति तपोवन' का भी दौरा कर सकते हैं, जो राजपुर रोड पर स्थित एक घना जंगल क्षेत्र है। इसमें देशी पेड़ों की हरियाली, टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडियां, लकड़ी के पुल, पक्षी देखने के लिए मचान और ध्यान-चिंतन के लिए शांत स्थान शामिल हैं। यह क्षेत्र प्रकृति से गहरे जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। राष्ट्रपति निकेतन में आने वाले दर्शक राष्ट्रपति अंगरक्षक के अस्तबल, घोड़ों, लिली पॉन्ड, रॉकरी पॉन्ड, रोज गार्डन और पर्गोला जैसी खूबसूरत जगहों को भी देख सकेंगे। गौरतलब है कि 2023 से ही राष्ट्रपति भवन, हैदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम और शिमला के पास माशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास सप्ताह में 6 दिन आम जनता के लिए खोले जा चुके हैं। साथ ही, फरवरी से राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह भी नए स्वरूप और ज्यादा बैठने की क्षमता के साथ शुरू किया गया है। राष्ट्रपति मुर्मु की

यह पहल देश के नागरिकों को राष्ट्रपति भवन की सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और ऐतिहासिक विरासत से जोड़ने की एक नई दिशा दे रही है। राष्ट्रपति तपोवन और राष्ट्रपति निकेतन क्रमशः 24 जून और 1 जुलाई से जनता के लिए खुले रहेंगे। इस दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति मुर्मू के जन्मदिवस पर दिव्यांग बच्चों के गीत ने महामहिम को रुला दिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जून को दिव्यांग बच्चों के साथ अपना जन्म दिवस मनाया। देहरादून के राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने जन्मदिन पर दृष्टिबाधित बच्चों की सुरीली प्रस्तुति देखकर भावुक हो गईं। बच्चों ने जब गाया कि तुम जियो हजारों साल, हैप्पी बर्थ डे टू यू तो यह सुनकर उनके आंसू छलक पड़े। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, यह बच्चे बहुत खूबसूरती से गा रहे थे और अपने दिल से गा रहे थे। इनका गाना सुन कर मैं अपने आंसू नहीं रोक पाई। उन्होंने आगे कहा, समूह की प्रतिभा ने उनके इस विचार की पुष्टि की है कि विकलांग बच्चों में कुछ विशेष क्षमताएं होती हैं। राष्ट्रपति ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि उनकी सफलता निश्चित है। राष्ट्रपति ने इन दृष्टिबाधित बच्चों को चश्मा लगाकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एनआईईपीवीडी में कार्यक्रम के दौरान कहा कि किसी देश या समाज की प्रगति का आकलन इस बात से लगाया जा सकता है कि उस समाज में लोग दिव्यांगजनों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। भारत का इतिहास संवेदनशीलता और समावेशिता के प्रेरक प्रसंगों से भरा पड़ा है। राष्ट्रपति के साथ मंच पर मौजूद केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार और राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) की आंखें भी नम हो गईं। राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब मैं इन बच्चों को गाते हुए देख रही थी तो मेरी आंखें आंसुओं से भर आईं। यह बच्चे गले से नहीं, दिल से गा रहे थे। लगता है मां सरस्वती इनके कंठ में विराजमान हैं।

देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टिहीन दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्ति) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ सेल्फी ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति निकेतन में आयोजित कार्यक्रम में नैनीताल स्थित राजभवन के 125 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष डाक टिकट जारी किया। इस मौके पर राज्यपाल गुरमीत सिंह, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, राज्यपाल के सचिव रविनाथ रमन, उत्तराखंड की चीफ पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी उपस्थित रहे।

शुक्रवार, 20 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपना जन्मदिवस दृष्टिबाधित बच्चों के साथ मनाया। इस मौके पर बच्चों के गीत सुनकर महामहिम की आंखों में आंसू आ गए।

उत्तराखंड की धरती अब देवभूमि के साथ "योगभूमि" भी बनेगी

शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे देश भर में धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाखापटनम में किया योग। इस बार योग दिवस उत्तराखंड के लिए बहुत खास रहा। देश की प्रथम नागरिक महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून में योग किया। उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। इसके साथ यह आध्यात्म के लिए भी दुनिया भर में पहचानी जाती है। अब देवभूमि 'योगभूमि' के नाम से भी जानी जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भराड़ीसैंण, गैरसैंण स्थित विधानसभा परिसर में योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण एवं 8 देशों के डेलिगेट्स के साथ योग किया। योग मुख्यमंत्री धामी ने योग नीति पर आधारित पुस्तिका का विमोचन करते हुए राज्य में योग नीति का औपचारिक शुभारंभ भी किया। वहीं देवभूमि के नागरिकों ने भी अब योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है। उत्तराखंड के लोगों ने संकल्प ले लिया है कि खुशहाल और स्वस्थ रहने के लिए हर रोज करेंगे।

11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत समेत पूरी दुनिया भर में धूमधाम के साथ मनाया गया। शनिवार, 21 जून को योग दिवस पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देशवासी योग के रंग में रंगे नजर आए। इस बार योग दिवस उत्तराखंड के लिए बहुत ही खास रहा। देश की प्रथम नागरिक महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में योग किया। उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। इसके साथ यह आध्यात्म के लिए भी दुनिया भर में पहचानी जाती है। अब देवभूमि 'योगभूमि' के नाम से भी जानी जाएगी। स्वास्थ्य सबसे बड़ी संपदा है। योग एक ऐसी अध्यात्मिक क्रिया है जो हमारे शरीर मन और आत्मा को परिमार्जित करके हमें ईश्वर के साथ जोड़ती है। पूरे विश्व ने आज योग के महत्व को स्वीकार किया है। देवभूमि के नागरिकों ने भी अब योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है। उत्तराखंड के लोगों ने संकल्प ले लिया है कि खुशहाल और स्वस्थ रहने के लिए हर रोज करेंगे। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, राजधानी देहरादून से लेकर भराड़ीसैंण समेत पुरी देवभूमि योगमय नजर आई। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए धामी सरकार ने कई दिनों से पूरी तैयारी की हुई थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को भराड़ीसैंण, गैरसैंण स्थित विधानसभा परिसर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण एवं 8 देशों के डेलिगेट्स के साथ योग किया। योग कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने योग नीति पर आधारित पुस्तिका का विमोचन करते हुए राज्य में योग नीति का औपचारिक शुभारंभ भी किया। उन्होंने 'एक वृक्ष, योग के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा परिसर में सेब का पौधा भी लगाया।
इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने घोषणा की कि राज्य सरकार शीघ्र ही प्रदेश में आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन की स्थापना करेगी। उन्होंने कहा हम राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में दो नए नगर बसाने जा

रहे हैं, जो योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के केंद्र बनकर वैश्विक मानचित्र पर राज्य की विशेष पहचान स्थापित करेंगे। जिसमें सम्पूर्ण विश्व से वेलनेस के क्षेत्र में काम करने वाले बड़े ग्रुप्स, आध्यात्मिक गुरुओं, संस्थानों को यहां आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ योग और अध्यात्म की भूमि भी है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से राज्य सरकार ने देश की पहली योग नीति 2025 को राज्य में लागू किया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखंड से निकला योग आज पूरी दुनिया में अपनाया जा रहा है। आज विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं संतुलित समाज के निर्माण में सहभागी बने।

धामी सरकार ने उत्तराखंड को योग-वैलनेस की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने शुरू की तैयारी-

योग नीति उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। जिसके तहत प्रदेश में योग एवं ध्यान केंद्र विकसित करने पर अधिकतम 20 लाख रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। प्रदेश में योग, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने हेतु 10 लाख रुपए तक के अनुदान का प्रावधान भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार का संकल्प है कि 2030 तक राज्य में पांच नए योग हब की स्थापना की जाए और मार्च 2026 तक राज्य के सभी आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में योग सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग हमारे मन, आत्मा और शरीर के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करता है। योग हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मानव जीवन को आंतरिक शांति, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक स्थिरता प्रदान करता है। योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम से शरीर और मन को तनाव से मुक्त कर सकते हैं। योग मन की एकाग्रता बढ़ाने के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होता है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत, भारत में मैक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास, मेक्सिको दूतावास में आर्थिक मामलों के प्रमुख रिकार्डो डेनियल डेलगाडो, भारत में फिजी उच्चायोग के हाई कमिश्नर जगन्नाथ सामी, भारत में नेपाल के राजदूत डॉ शंकर प्रसाद शर्मा, भारत में सूरिनाम के राजदूत अरुणकोमर हार्डियन, भारत में मंगोलिया के राजदूत डंबाजाविन गैंबोल्ड, भारत में लातविया दूतावास में डिप्टी हेड ऑफ मिशन मार्क्स डीतॉन्स, भारत के श्रीलंका उच्चायोग के मिनिस्टर काउंसलर लक्ष्मेंद्र गेशन डिसनायके, रूसी दूतावास में प्रथम सचिव क्रिस्टिना अनानीना एवं तृतीय सचिव कैटरीना लज़ारेवा, विधायक अनिल नौटियाल, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. विनय रुहेला, सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी, चमोली संदीप तिवारी, पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार एवं अन्य लोग मौजूद रहे। विधायक अनिल नौटियाल, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. विनय रुहेला, सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी, पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार एवं अन्य लोग मौजूद रहे। वही,उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में भी योग दिवस पर बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। बद्रीनाथ धाम में जहां तीर्थ पुरोहित और पुजारी समेत आईटीबीपी के जवानों ने योग किया। तो वही केदारनाथ धाम भी योगमय नजर आया। यहां भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पुजारी ने योग कर बड़ा संदेश दिया। उत्तराखंड के सभी मंत्री, विधायक भी अपने-अपने क्षेत्र में योग करते नजर आए। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उधम सिंह नगर जिले के पंतनगर यूनिवर्सिटी में योगाभ्यास किया। तो कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य और सौरभ बहुगुणा भी देहरादून में योग करते नजर आए।

पूरा देश योग के रंग में रंगा, देशवासियों ने किया योगाभ्यास

हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। भारत समेत दुनिया भर में योग दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस बार 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ दुनिया भर में योग दिवस मनाया गया। योग डे भारत से निकलकर विश्व के कोने-कोने में पहुंच चुका है। यह दिवस भारत समेत दुनिया के 191 देशों में धूमधाम के साथ मनाया गया। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक अलग नजर दिखाई दिया। क्या आम और क्या खास सभी योग के रंग में रंगे नजर आए। राजधानी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे, नागपुर, लखनऊ, शिमला, कानपुर, पटना, जयपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद, पणजी, बेंगलुरु, जम्मू, श्रीनगर भोपाल और मैसूर समेत का शायद ही कोई ऐसा छोटा बड़ा शहर होगा जहां योग न किया गया हो। योग गुरु बाबा रामदेव ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ योगाभ्यास किया। भाजपा के तमाम केंद्रीय मंत्री और सांसद विभिन्न शहरों में योग करते हुए नजर आए। भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी ने अपने संसदीय क्षेत्र मथुरा में योग किया। देवभूमि उत्तराखंड में इस बार योग दिवस बहुत ही व्यापक पैमाने पर मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी राजधानी देहरादून स्थित पुलिस लाइन में योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में शामिल राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) और मंत्री सुबोध उनियाल ने भी योग किया। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उत्तराखंड का क्षेत्र योग और अध्यात्म का केंद्र रहा है। विश्व भर में योग अभ्यास किया जा रहा है। योग विश्व की पूरी जनसंख्या के लिए लाभकारी होगा। साल 2015 से योग दिवस मनाया जाता है। योग के अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता के तमाम उदाहरण हैं। योगाभ्यास व्यक्ति के शरीर मन को जोड़ने के साथ ही स्वस्थ बनाता है। यही नहीं, योग एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से जोड़ने के साथ ही एक देश को दूसरे देश से जोड़ने का काम भी कर रहा है। योग की शिक्षा किसी भी संप्रदाय या पंथ से जुड़ी हुई नहीं है। वहीं योग नगरी ऋषिकेश और हरिद्वार में भी हजारों लोगों ने योग किया। राजधानी देहरादून में भी सभी वर्गों में योग करने के लिए उत्साह देखा गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में योगाभ्यास किया। इसके साथ सेना के जवानों ने भी जम्मू कश्मीर से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में योग किया।

पीएम मोदी ने विशाखापटनम में योग कर देशवासियों को इससे जुड़ने का किया आहवान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाखापटनम में योग किया। प्रधानमंत्री के साथ 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं। पीएम ने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है।

अंकित भंडारी हत्याकांड:

निष्पक्ष जांच से न्याय तक विषय पर संवाद कार्यक्रम

सकारात्मक रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को किया गया सम्मानित

मानव अधिकार संरक्षण केंद्र की ओर से ''अंकित भंडारी हत्याकांड: निष्पक्ष जांच से न्याय तक'' विषय पर आयोजित एक आईडिया एक्सचेंज प्रोग्राम को संबोधित करते हुए नैनीताल हाईकोर्ट दैनिक लोक अदालत के पीठासीन सदस्य न्यायमूति राजेश टंडन ने कहा कि इंडियन पैनल कोड में हुए संशोधन तथा नए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में दिए दिए गये प्रावधानों की वजह से ही अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में निष्पक्ष और दबाव रहित जांच हो पाई। यही कारण रहा कि ट्रायल कोर्ट में भी त्वरित न्याय हो पाया। न्यायमूति राजेश टंडन ने मानवाधिकारों को रेखांकित करते हुए व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता के विषय में दिए गए संवैधानिक अधिकारों के बारे में भी बताया। उन्होंने भारतीय साक्ष्य अधिनियम में हुए संशोधनों को रेखांकित करते हुए बताया कि अंकिता मामले में इलैक्ट्रानिक तथा सरकमटांसेस एविडेंस इतने मजबूत थे कि उनको नजरंदाज कर पाना किसी के वश में नहीं था जबकि जांच प्रक्रिया को मीडिया और जनसाधारण बहुत नजदीक से अध्ययन कर रहे थे।

आईडिया एक्सचेंज का आयोजन स्मार्ट दून लाइब्रेरी में किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस उपमहानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) श्री धीरेंद्र गुंज्याल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संवाद का संचालन पंजाब केसरी नवोदय टाइम्स के संपादक श्री निशित जोशी जी द्वारा किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री धीरेंद्र गुंजन द्वारा 23 सितंबर 2023 को घटी घटना के बारे में और उसके बाद की गई पुलिस कार्रवाई, निष्पक्ष जांच जन दबाव एवं मीडिया के प्रभाव को रेखांकित किया गया। उन्होंने बताया कि शुरू में सोशल मीडिया में कई प्रकार की अफवाहें तथा अर्द्ध सत्य तैर रहे थे लेकिन बाद में मीडिया ने जिस प्रकार से रिपोर्टिंग उससे पुलिस को भी जांच करने में सहयोग प्राप्त हुआ। खुले संवाद के दौरान कार्यक्रम में उपस्थित कई वरिष्ठ पत्रकारों ने विभिन्न प्रकार के सवाल जवाब किए, जिन पर श्री धीरेंद्र गुंज्याल जी द्वारा बहुत ही सकारात्मक और स्पष्ट उत्तर दिए गए। इस संवाद कार्यक्रम में अंकित भंडारी हत्याकांड मामले में प्रमुख रूप से तथ्यात्मक, संतुलित एवं सूचनात्मक रिपोर्टिंग करके मामले को जीवित बनाए रखने तथा एक प्रकार का दबाव बनाए रखने के लिए कुछ पत्रकारों को सम्मानित किया गया जिनमें प्रमुख रूप से एएनआई एवं राइटर के ब्यूरो चीफ श्री आशीष गोयल, ईटीवी के स्टेट हेड श्री किरण ाकांत शर्मा, क्राइम स्टोरी के संपादक श्री राजेश शर्मा, इंडिया वाइस न्यूज के स्टेट हेड श्री अवनीश प्रेमी, पंजाब केसरी नवोदय टाइम्स के समाचार संपादक श्री राजीव थपलियाल, न्यूज़ 18 के उत्तराखंड संपादक श्री अनुपम त्रिवेदी, रफ्तार मीडिया एवं खबर उत्तराखंड के संपादक श्री बसंत निगम, गढ़वाल पोस्ट के संपादक श्री सतीश शर्मा, इंडिया टुडे-आज तक के ब्यूरो चीफ श्री अंकित शर्मा, देवपथ के संपादक बीडी शर्मा, कंफर्ट टाइम्स समाचार पत्र एवं वेब पोर्टल के संपादक श्री राजीव वर्मा, डीएसआर अनकट के संपादक श्री दिलीप राठौड, स्वदेश न्यूज़ के स्टेट हेड श्री अवनीश जैन, जनभारत मेल के संपादक श्री गुरदीप टोनी, नवोदय टाइम्स श्रीनगर पौड़ी के ब्यूरो चीफ श्री पंकज मंडोली, अमर उजाला कोटद्वार के ब्यूरो चीफ श्री चंद्र मोहन शुक्ला, संपादक पहाड़ टीवी श्री नवल किशोर खाली, भारत समाचार श्री पंकज पंवार, ब्यूरो चीफ दैनिक भास्कर श्री विक्रम श्रीवास्तव को मानव अधिकार संरक्षण रत्न से सम्मानित किया गया। इसके आतिरिक्त पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री धीरेंद्र गुंज्याल और नवोदय टाइम्स के संपादक श्री निशीथ जोशी जी को भी स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षाविद् तथा मानव अधिकार संरक्षण केंद्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. सुनील अग्रवाल द्वारा किया गया और इस अवसर पर अंकित भंडारी हत्याकांड मामले में निष्पक्ष जांच से लेकर न्याय तक की भूमिका में योगदान देने वाले सभी पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया गया कार्यक्रम का संचालन दिव्य हिमगिरि के संपादक कुंवर राज अस्थाना ने किया। कार्यक्रम में देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष अकबर सिद्दीकी, डॉक्टर एसपी सिंह, अनुपम शर्मा, भारतीय श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के संगठन मंत्री श्री गिरधर शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रवीर गायत्री, श्री राजेश सोनी, श्री सुनील सेमवाल, देव भट्ट, लोकेश राज, पूनम आर्य आदि लोग प्रमुखता से उपस्थित रहे।

पंकज मेसोन बने फेडरेशन ऑफ आल इंडिया व्यापार मंडल के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष

राजेश्वर प्रसाद पैन्यूली, देहरादून

जून 2025 में फेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया व्यापार मंडल के पुनर्गठन के साथ ही अखिल भारतीय कार्यकारिणी ने सर्व सहमति से उत्तराखंड राज्य मे हफेडरैशन के प्रतिनिधित्वीं के लिए उत्तराखंड प्रदेश के अध्यक्ष के रूप मे श्री पंकज मेंसोन जी को नियुक्त किया। फेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया व्यापार मंडल (सोसाइटी एक्ट 1860 के तहत पंजीकृत), समस्त भारत के कारोबारियों के विभिन्न संगठनों की एक शीर्ष संस्था है। इसका एकमात्र उदेश्य देशभर के विभिन्न व्यापारी संगठनो को एक छत के नीचे लाना है ताकि सामूहिक शक्ति से व्यापारीक हितों की रक्षा की जा सके। और अब फेडरैशर्नी उत्तराखंड राज्य के अधिकतम व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के हित में संस्थागत प्रतिबद्धता से कार्य करने के लिए उत्तराखंड में अध्यक्ष के रूप श्री पंकज मेंसोन की नियुक्ति के साथ ही जिला इकाइयों के गठन के शरुआत करने वाली है। राजेश्वर प्रसाद पैन्यूली, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के राष्ट्रीय प्रवक्ता व कोषाध्यक्ष ने जानकारी देते हुवे बताया की ''फेडरेशर्नी के राष्ट्रीय शीर्ष पदाधिकारी पूर्णकालिक राष्ट्रीय प्रेसीडेंट श्री सुशील पोद्दार जी व राष्ट्रीय महासचिव श्री आर के गौड़ जी द्वारा श्री पंकज मेंसोन के राज्य के मानद अध्यक्ष पद पर नियुक्ति पर बधाई देते हुवे विश्वास जताया की श्री पंकज मेंसोन अपनी पूरी क्षमता से फेडरेशन के हित में कार्य समन्वय बनाए रखेंगे। इस दौरान यह व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई की इस नियुक्ति के साथ ही 'मानद अध्यक्ष जी' द्वारा जल्द ही पूरे राज्य में 'जिला इकाइयों' का गठन प्रमुखता से करने की शुरुआत की जाएंगी।

इस अवसर पर नव नियुक्त अध्यक्ष पंकज मेंसोन ने फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल का धन्यवाद करते हुए फेडरेशन से आए हुए प्रतिनिधि के तौर पर श्री राजेश्वर पैन्यूली जी का भी धन्यवाद प्रेषित किया। ओर राज्य के व्यापारियों की समस्याओं को बताते हुए ओर उनकी समस्त समस्याओं को हल करने के लिए जो भी प्रयास जरूरी होंगे किए जाएंगे एवं राज्य सरकार से व्यापारिक आयोग गठन की भी मांग की जाएगी ताकि आयोग द्वारा राज्य के व्यापारियों की समस्याओं को सीधा सरकार तक पहुंचाने का काम हो सके। ओर व्यापारी वर्ग कही भी अपने आप को ठगा सा महसूस न करे और उनके द्वारा यह भी कहा गया कि राज्य में अगर व्यापारियों को कोई भी समस्या होंगी तो उन्हें फेडरेशन के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचाने का भी काम किया जाएगा ताकि जल्द से जल्द व्यापारी इन विकट समस्याओं से निजात पा सके।

इस अवसर पर सुशील अग्रवाल, शेखर फुलारा, विनय नागपाल, पंकज डीढ़ान, रवि मल्होत्रा, पुनीत सहगल, सुमित कोहली, दिव्य सेठी, मनीष फुलारा, मनीष मोनी, संतोख सिंह, अशोक अग्रवाल, जसपाल छाबड़ा, नरेंद्र छाबड़ा, त्रिवेश खुराना, हरमीत जयसवाल, रजत गुप्ता, भुवन पालीवाल, अजय गुजराल, माननी विज, सांभा, शुभम गुलाटी, आनंद गर्ग, हार्दिक परूथी, केवल कुमार, संदीप घई, दीपू नागपाल, निशि कुकरेजा, हेम रस्तोगी, अमरदीप सिंह अन्य कई व्यापारी गण मौजूद रहे।

Zee TV ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर identity Disclosure आदेश को चुनौती देने के लिए लगाई कचहरी, जस्टिस राजेश टंडन बने न्यायाधीश। आरोपी बने थे उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल

देश के प्रख्यात भौतिक शास्त्री पद्मश्री एच.सी. वर्मा जी के साथ दिव्य हिमगिरि के संपादक कुँवर राज अस्थाना, DBS University के प्रो वाइस चांसलर मनीष प्रतीक, पूर्व मुख्य सचिव ओम प्रकाश तथा DBS University के चेयरमैन मोहित अग्रवाल

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

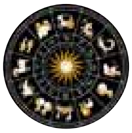

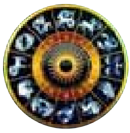

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- आपका अच्छा व्यवहार और संतुलित सोच किसी भी समस्या को सुलझाने में मददगार रहेंगे। आपका पूरी तरह से अपने में लगे रहने से कुछ लोगों के बीच आपकी बुराई हो सकती है। कोई आर्थिक परेशानी भी सामने आएगी, जोखिम भरे कामों में पैसा न लगाएँ। घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। भाग्यशाली अंक- 8

वृषभ राशि- घर को सुधारने से जुड़ी कोई योजना बन रही है तो उसे शुरू कर सकते हैं। ज्यादा काम और थकान से आलस भी आ सकता है। परिवार की चिंता को अपने कामकाज में न आने दें और मार्केटिंग से जुड़े काम पर खास ध्यान दें। आपके वैवाहिक संबंध अच्छे रहेंगे। घर में किसी अविवाहित व्यक्ति का रिश्ता तय होने की संभावना है। भाग्यशाली अंक- 7

मिथुन राशि- युवा लोगों को जल्दी ही अपनी मेहनत के अनुसार कोई जरूरी सफलता मिलने वाली है। किसी भी उलझन की स्थिति में अनुभवी लोगों की सलाह भी लेनी चाहिए। साथियों का सही साथ न मिलने से कुछ समस्याएं आ सकती हैं। परिवार का वातावरण और माहौल दोनों खुश रहेंगे। प्रेम संबंधों में भी नजदीकियां आएँगी। भाग्यशाली अंक- 9

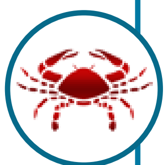

कर्क राशि- पारिवारिक और दूसरे मामलों में आपके फैसले को महत्व दिया जाएगा। कोई बुरी खबर मिलने से मन दुखी रहेगा और अपने काम में भी ध्यान नहीं लगा पाएँगे। दफ्तर में जगह बदलने की स्थिति बन सकती है, तरक्की भी मुमकिन है। प्रेम संबंधों में अहंकार जैसी स्थिति न बनने दें। वातावरण का असर आपकी सेहत पर भी पड़ेगा सावधानी रखना जरूरी है। भाग्यशाली अंक- 5

सिंह राशि- महिलाओं के लिए आज का दिन खासकर फ़ायदेमंद रहेगा। यह समय शांति से बिताने का ही है। अपने व्यापार से जुड़ी योजनाओं को गुप्त रखते हुए पूरा करें। यह समय आलस छोड़कर ऊर्जावान बनने का है, अपने कामों के प्रति पूरी तरह लगे रहें। युवा दोस्तों की दोस्ती और गहरी होगी। शादी लायक लोगों के लिए कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है। भाग्यशाली अंक- 5

कन्या राशि- घर के बड़े सदस्यों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से आपका कोई जरूरी काम पूरा होगा। किसी धार्मिक जगह पर कुछ समय जरूर बिताएँ। राजनीतिक कामों में थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है, थोड़ी सी गलत गतिविधियां आपको फँसा सकती हैं। पति-पत्नी के बीच मददगार और तालमेल वाला व्यवहार रहेगा। भाग्यशाली अंक- 4

तुला राशि- संतान की पढ़ाई-लिखाई से जुड़ा कोई जरूरी काम पूरा होने से बहुत सुकून और आराम मिलेगा। पुरानी नकारात्मक बातों को हावी न होने दें, वर्तमान में ही रहना सीखें। अपनी योजनाओं को गुप्त रखें और काम की क्वालिटी बेहतर बनाएँ। किसी पुराने मित्र के साथ अचानक मुलाकात से अच्छी अनुभूति होगी। भाग्यशाली अंक- 6

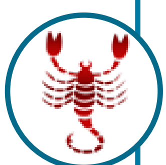

वृश्चिक राशि- सकारात्मक और अनुभवी लोगों के साथ रहने से आपके आत्मविश्वास और जानकारियों में बढ़ोतरी होगी। रूपए-पैसे के लेन-देन से जुड़ा कोई भी काम न करें। प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले लोगों को कुछ अधिकार मिलेंगे। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी योगा और ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएँ। भाग्यशाली अंक- 2

धनु राशि- घर के बड़े सदस्यों की सलाह और मार्गदर्शन पर चलना आपके लिए तरक्की दिलाने वाला साबित होगा। व्यापार में जिस काम को आप मुश्किल समझकर छोड़ रहे थे, आज उससे जुड़ा कोई काम शुरू हो सकता है। कर्मचारी और स्टाफ पूरे मन से काम को आगे बढ़ाएँगे। प्रेम संबंधों के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। मौसम के अनुसार खाना खाना चाहिए। भाग्यशाली अंक- 3

मकर राशि- युवा लोगों को अपनी मेहनत के अच्छे नतीजे मिलेंगे। बेहतर होगा कि दिल की बजाय दिमाग से फ़ैसला लें। अपनी जरूरी चीजों की देखभाल खुद करें। दफ्तर में किसी साथी के साथ कहा-सुनी होने की आशंका है। बेकार के प्रेम संबंध आपका समय और पैसे के नुकसान का कारण बनेंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। भाग्यशाली अंक- 7

कुंभ राशि- आपका सकारात्मक व्यवहार दूसरों पर अच्छा प्रभाव छोड़ेगा। किसी यात्रा का भी प्लान बनेगा। पड़ोसियों के साथ संबंधों में मधुरता बनाए रखे। समय के अनुसार चीजें ठीक होती रहेंगी। पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहा-सुनी रह सकती है। प्रेम संबंधों के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। कसरत और ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएँ। भाग्यशाली अंक- 6

मीन राशि- धार्मिक और आध्यात्मिक कामों में कुछ समय बिताने से बहुत ही सकारात्मक महसूस करेंगे। जीवन से जुड़े हर काम को व्यावहारिक तरीके से समझने की कोशिश करें। सरकारी नौकरी करने वाले लोग लापरवाही से काम में गलती कर सकते हैं। अविवाहित लोगों के लिए कोई शादी से जुड़ा अच्छा रिश्ता आने की संभावना है। भाग्यशाली अंक- 5

फिर गोलमाल करेंगे रोहित शेट्टी!

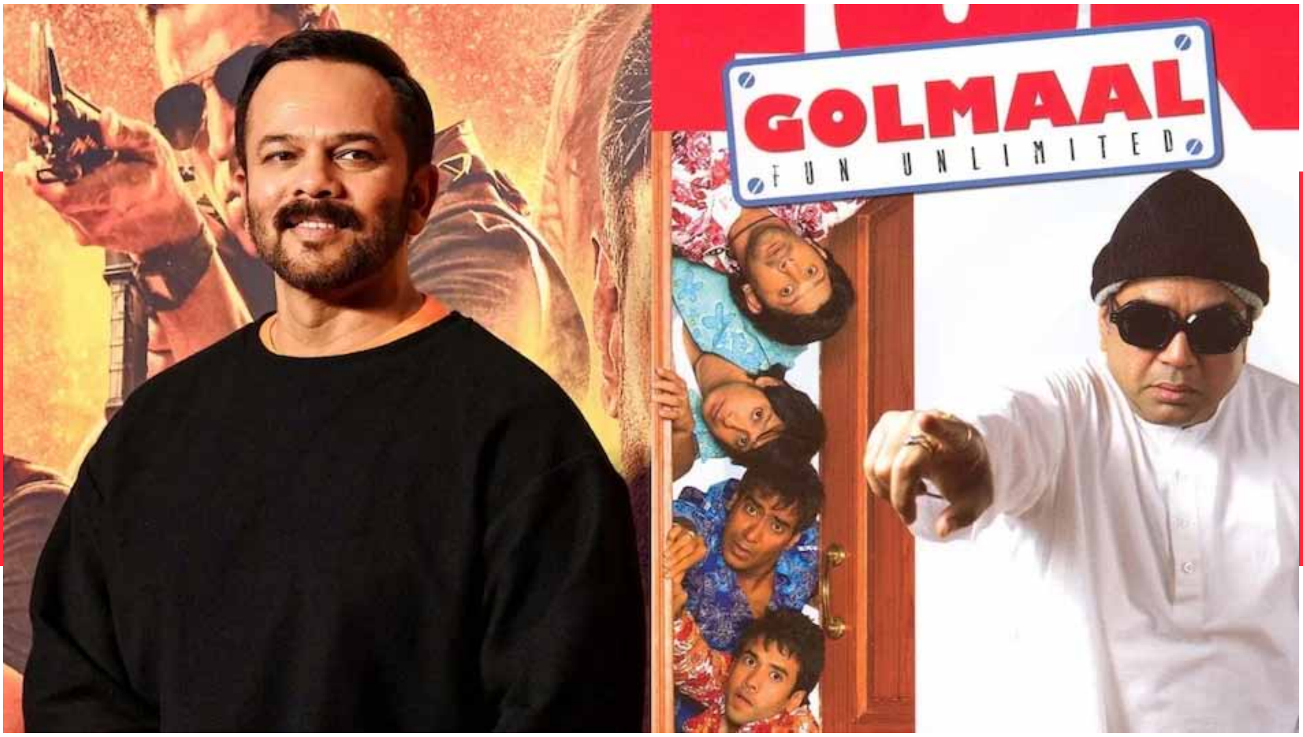

फिल्म मेकर रोहित शेट्टी जल्द अपनी सुपरहिट फिल्म सीरीज गोलमाल के पांचवे पार्ट पर काम करना शुरू करेंगे। राकेश मारिया पर बायोपिक बनाने के बाद, वो अजय देवगन और बा की कास्ट संग फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। अभी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है कॉप यूनिवर्स को बनाने वाले सुपरहिट डायरेक्टर रोहित शेट्टी अपनी फिल्मों में दमदार एक्शन के लिए फेमस हैं। उनकी फिल्मों में गाड़ियां सड़क से ज्यादा आसमन में उड़ती नजर आती हैं। लेकिन रोहित एक्शन फिल्मों के अलावा अपनी कॉमेडी फिल्म सीरीज गोलमाल से भी सबसे पसंदीदा बने रहते हैं। उनकी गोलमाल फ्रेंचाइजी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट है। अब वो जल्द इसका अगला पार्ट लेकर आ रहे हैं। रोहित शेट्टी की गोलमाल फ्रेंचाइज सभी को पसंद है। अभी तक इसके चार पार्ट्स रिलीज हो चुके हैं जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रहे हैं। अब फिल्ममेकर इसका पांचवा पार्ट भी लेकर आने वाले हैं जिसकी शूटिंग जल्द शुरू होगी। मगर उससे पहले रोहित अपनी एक और फिल्म की शूटिंग खत्म करेंगे जिसमें वो फिलहाल बिजी है। रोहित शेट्टी पुलिस ऑफिसर राकेश मारिया की बायोपिक बना रहे हैं जिसमें एक्टर जॉन अब्राहम शामिल हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित गोलमाल 5 का शूट अगले साल यानी 2026 में शुरू करेंगे। अभी फिलहाल उनकी टीम फिल्म की स्क्रिप्टिंग पर काम कर रही है, जिसे वो जल्द ही खत्म कर लेंगे। रोहित शेट्टी अभी मुंबई में जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक शूट कर रहे हैं। उनकी फिल्म का शूट सितंबर 2025 तक खत्म हो जाएगा। डायरेक्टर अपनी बायोपिक फिल्म को साल 2026 की शुरुआत में रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं। सुत्रों के मुताबिक रोहित शेट्टी और उनकी टीम ने गोलमाल 5 की कहानी सोच ली है। उनका कहना है, राकेश मारिया की बायोपिक के बाद रोहित गोलमाल 5 की तैयारी में जुट जाएंगे। इसकी शूटिंग फरवरी या मार्च 2026 में शुरू हो जाएगी। इसकी कहानी फाइनल हो चुकी है और अभी उनके राइटर्स इसकी स्क्रीनप्ले और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। रोहित ने अपनी फिल्म की स्क्रिप्टिंग के लिए नए राइटर्स को चुना है जो सितंबर 2025 तक अपना काम पूरा कर लेंगे। गोलमाल सीरीज बॉलीवुड की दूसरी सबसे सफल कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इसका सबसे पहला पार्ट साल 2006 में आया था जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ। 'गोलमाल' सीरीज बॉलीवुड की दूसरी सबसे सफल कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इसका सबसे पहला पार्ट साल 2006 में आया था जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ। 'गोलमाल' से खुद रोहित शेट्टी की भी किस्मत बतौर डायरेक्टर पलट चुकी थी। इसके बाद बाकी तीन पार्ट्स भी फिल्ममेकर ने रिलीज किए जिसने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की। अब फैंस को इसके पांचवे पार्ट का भी बेसब्री से इंतजार है।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

Silkyara™

हिमालय का वरदान
बद्री गाय का घी

उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाई जाने वाली बद्री गाय जिसको "कामधेनु" भी कहा जाता है, का परंपरागत रूप से बनाया गया घी अब देहरादून में भी उपलब्ध है

- **A2** प्रोटीन युक्त
- औषधीय गुणों से भरपूर
- इम्युनिटी बढ़ाने में लाभदायक
- पाचन में हल्का और बाल विकास में सहायक

कुमार स्वीट्स

- सहस्त्रधारा रोड, निकट क्रॉसिंग
- धर्मपुर, निकट एलआईसी बिल्डिंग

पर उपलब्ध है।

fssai 22623030001586

UDYOG AADHAR MSME UK050061483

THE DOON HIMALAYAN AGRO FOODS
Dehradun
Lokesh Asthana - 7409782771